

संबद्ध या उससे निकलने वाला जैसे- सांकेतिक अर्थ।

**सांकेतिक भाषा स्त्री.** (तत्.) साधारण या जन भाषा से इतर भाषा, कुछ विशिष्ट लोगों के निजी व्यवहार के लिए उनकी बनाई हुई गोपनीय तथा कृत्रिम भाषा।

**सांकेतिकी स्त्री.** (तत्.) सांकेतिक भाषा। आपस के व्यवहार में संक्षेप और गोपन के लिए स्थिर की हुई वह वार्ता-प्रणाली, जिसमें साधारण शब्दों और पदों के लिए छोटी-छोटी सांकेतिकी बना ली जाती है, तार और समाचार प्रेषण में इसका उपयोग होता है।

**सांक्रामिक वि.** (तत्.) संक्रामक।

**सांक्षेपिक वि.** (तत्.) संक्षिप्त, छोटा किया हुआ, संकुचित।

**सांख्य वि.** (तत्.) संख्या संबंधी, जो संख्या के रूप में हो पुं. 1. संख्याएँ आदि गिनने और हिसाब लगाने की क्रिया 2. गणना, विचार-विवेक करने वाला 3. छह दर्शनों में से एक जिसके कर्ता कपिल ऋषि थे टि. इस दर्शन के अनुसार प्रकृति ही सारे विश्व का मूल और पुरुष द्रष्टामात्र है, यह ईश्वर को सृष्टि का रचयिता और संचालक न स्वीकार कर आत्मा के शेष चौबीस तत्वों से पार्थक्य के सम्यक् ज्ञान को ही मोक्ष का साधन मानता है।

**सांख्य-मार्ग पुं.** (तत्.) सांख्य योग।

**सांख्य योग पुं.** (तत्.) ऐसा सांख्य जो अच्छी तरह चित्त शुद्ध करके और पूरा ज्ञान प्राप्त करके सच्चे त्याग के आधार पर ग्रहण किया जाय।

**सांख्यायन पुं.** (तत्.) एक प्रसिद्ध वैदिक आचार्य, जिन्होंने सांख्यायन कामसूत्र और ऋग्वेद के सांख्यायन ब्राह्मण की रचना की।

**सांख्यिक वि.** (तत्.) संख्या संबंधी, संख्या या गिनती से संबंध रखने वाला।

**सांख्यिकी स्त्री.** (तत्.) किसी विषय विशेष से संबद्ध संख्याएँ एकत्र करके उनके आधार पर कुछ सिद्धांत

स्थिर करने या निष्कर्ष निकालने की विद्या, स्थिति-शास्त्र, इस प्रकार से एकत्र की हुई संख्याएँ।

**सांग वि.** (तत्.) अंगयुक्त, प्रत्येक अवयव से पूर्ण, छह अंगों से युक्त।

**सांगतिक वि.** (तत्.) संगति-संबंधी, सामाजिक पुं. अतिथि, अजनबी, वह जो किसी व्यापार के सिलसिले में आया हो।

**सांगम पुं.** (तत्.) संगम, मेल, योग।

**सांगीत पुं.** (तत्.) गेय नाटक, पाश्चात्य शैली का ऐसा नाटक जिसका अधिकांश संगीत प्रधान होता है पुं. सेनापति।

**सांगोपांग वि.** (तत्.) पूर्ण, अंगों से युक्त, अंगों-उपांगों और उपनिषदों से युक्त।

**सांग्रामिक वि.** (तत्.) युद्ध-संबंधी, यौद्धिक पुं. सेनापति।

**सांघाटिका स्त्री.** (तत्.) कुटनी, दूती, संभोग, मैथुन, जोड़ा, एक पेड़।

**सांघात पुं.** (तत्.) दल, यूथ।

**सांघातिक वि.** (तत्.) संघात या समूह संबंधी, दल-संबंधी, मारात्मक, हननकारक, जो संघात या हनन कर सकता हो पुं. फलित ज्योतिष में जन्म नक्षत्र से सोलहवाँ नक्षत्र, जिसके प्रभाव से मृत्यु तक होने की आशंका मानी जाती है।

**सांत वि.** (देश.) अंतयुक्त, प्रसन्न।

**सांततिक वि.** (तत्.) संतति प्रदान करने वाला।

**सांतपन कृच्छ्र पुं.** (देश.) एक तरह का तप या व्रत।

**सांतर वि.** (तत्.) अंतर या अवकाशयुक्त, झीना।

**सांतानिक वि.** (तत्.) फैलनेवाला (जैसे वृक्ष), संतान संबंधी।

**सांतापिक वि.** (तत्.) ताप पहुँचाने वाला, तप्त करने में समर्थ, कष्ट देने वाला।

**सांति स्त्री.** (देश.) दे. शांति।

**सांतीडा पुं.** (देश.) बिगड़ैल बैल को नाथने का मजबूत और मोटा रस्सा।